होरी खेलत नंदलाल बृज में,
होरी खेलत नंदलाल,
ग्वाल बाल संग रास रचाए,
नटखट नन्द गोपाल।।

बाजत ढोलक झांझ मजीरा,
गावत सब मिल आज कबीरा,
नाचत दे दे ताल,
होरी खेलत नंदलाल।।

भर भर मारे रंग पिचकारी,
रंग गए बृज के नर नारी।
उड़त अबीर गुलाल,
होरी खेलत नंदलाल।।

ऐसी होरी खेली कन्हाई,
यमुना तट पर धूम मचाई।
रास रचे नंदलाल,
होरी खेलत नंदलाल।।

होरी खेलत नंदलाल बृज में,
होरी खेलत नंदलाल,
ग्वाल बाल संग रास रचाए,

नटखट नन्द गोपाल।।

होरी खेलत नंदलाल बृज में,
होरी खेलत नंदलाल,
ग्वाल बाल संग रास रचाए,
नटखट नन्द गोपाल।।

Source: https://www.bharattemples.com/hori-khelat-nandlal-brij-me/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw